29 जून2009 को संपन्न स्पाइसेस बोर्ड की 66 वीं बैठक का कार्यवृत्त

स्पाइसेस बोर्ड की 66 वीं बैठक बोर्ड के कोचिन के मुख्यालय में 29 जून 2009 को दोपहर बाद 2.30 बजे संपन्न हुई।

श्री.वी.जे.कुरियन भा.प्र.से., अध्यक्ष, स्पाइसेस बोर्ड ने बैठक की अध्यक्षता की।

निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थेः-

1. श्री. रायपट्टी सांबशिव राव, सांसद(लो.स.)
2. श्री डी.एम.कतिर आनंद, उपाध्यक्ष
3. श्री के.ज़िया-उद्-दीन अहम्मद
4. श्री टी. अशोक कुमार
5. श्री साजन कुरियन कळरिक्कल
6. श्री एच. विश्वनाथ
7. श्री वी.डी.आलम
8. सुश्री सुचिस्मिता पालै
9. श्री के.एस.आर.जे. राजकुमार
10. श्री चौडे गौडा
11. श्री रविबाबू शीलम
12. श्री बलकरन पटेल

निम्नलिखित सदस्यों को अनुपस्थिति छुट्टी प्रदान की गईः-

1. श्री अनन्त कुमार हेगडे, सांसद(लो.स.)
2. श्री तिरुच्ची शिवा, सांसद(रा.स.)
3. डॉ .एम.एल.चौधरी
4. श्री के. जयकुमार, भा.प्र.से.
5. श्री पी.एन. रोय चौधरी
7. योजना आयोग का सदस्य
8. डॉ. के. वी. पीटर
9. श्री राजीव धर
10. डॉ वी.प्रकाश
11. डॉ वी.ए. पार्थसारथी

अनुपस्थितः-

1. श्री के.एन.हज़ारिका, विशेष आमंत्रित
2. श्री प्रकाश उत्तमचंद वाध्वानी
3. श्री विश्वनाथ ओक्टे
4. श्री एन.जहाँगीर
5. श्री जे.वी.नारायणस्वामी
6. श्री महेन्द्र परमार

बोर्ड के निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित थेः-

1. श्रीमती के. लक्ष्मिकुट्टी, सचिव(प्रभारी)
2. श्री एस. कण्णन, निदेशक (विपणन)
3. डॉ जे. थॉमस, निदेशक(अनुसंधान)
4. श्री आर.चन्द्रशेखर, निदेशक(विकास)
5. श्री. चार्ल्स जे. कित्तु, निदेशक(वित्त)

सबसे पहले, अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों का स्वागत किया और बोर्ड को नए सदस्य, श्री. रायपट्टी सांबशिव राव, आदरणीय सांसद(लोक सभा) से परिचय करवाया जिसके बाद सदस्यों ने अपना अपना परिचय दिया।

मद सं.1. 27.03.2009 को संपन्न बोर्ड की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि

पुष्टि की गई ।

मद सं.2: 29.05.2008 को संपन्न बोर्ड की बैठक के निर्णयों पर की गई कार्रवाई पर टिप्पणी

नोट की गई ।

मद सं.7 - तूतुकुडि एवं कण्डला की गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला के संबंध में श्री वी.डी. आलम, निदेशक(वित्त), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सूचित किया कि तूतुकुडि का प्रस्ताव पारित किया गया है और ए एस आई डी ई समिति द्वारा इस पर विचार किया जाएगा । कण्डला में प्रयोगशाला की स्थापना का प्रस्ताव अधिक जानकारी के अभाव में लंबित रखा गया है ।

मद सं.8 - बैंगळूर में स्पाइसेस बोर्ड के कार्यालय के लिए ज़मीन की खरीद के संबंध में श्री विश्वनाथ ने संकेत किया कि पिछली बोर्ड-बैठक में पट्टे पर ज़मीन खरीदने के बजाय एकमुश्त खरीद करने का निर्णय लिया था और नया प्रस्ताव भी पट्टे पर खरीदने को है ।

निदेशक(विपणन) ने स्पष्टीकरण दिया कि बैंगळूर विकास प्राधिक़रण(बी डी ए) एकमुश्त खरीद केलिए ज़मीन देता नहीं है, लेकिन पट्टे पर ही देता है । यद्यपि निजी ज़मीन उपलब्ध हैं, बोर्ड निजी ज़मीन खरीदना नही चाहता है और इसलिए बी डी ए का एलान विचारार्थ प्रस्तुत किया गया है ।

चर्चाओं में भाग लेते हुए आदरणीय सांसद, श्री रायपट्टी सांबशिव राव ने गुण्टूर के स्पाइसेस बोर्ड के कार्यालय को वर्तमान संयुक्त निदेशक स्तर के कार्यालय से निदेशक स्तर के एक कार्यालय के रूप में उसका उन्नयन करते हुए मज़बूत बनाने का अनुरोध किया । उन्होंने कहा कि हालांकि मिर्च और हल्दी मसाले निर्यातों के मुख्य हिस्से हैं, स्पाइसेस बोर्ड, गुण्टूर, जो इन दो फसलों को बढाया जानेवाला क्षेत्र है, को देय महत्व देता नहीं है और अब तक उसकेलिए बहुत कम ही किया गया है । उन्होंने बोर्ड से अनुरोध किया कि इलायची और कालीमिर्च के पुनरोपण एवं नवीकरण कार्यक्रम केलिए कार्यान्वित सरीखी योजनाएं मिर्च के उत्पादन विकास केलिए कार्यान्वित की जाय । उन्होंने सूचित किया कि गुणवत्तावाली बीज सामग्री का उत्पादन एवं आपूर्ति ऐसे दबावदार क्षेत्र हैं जहाँ स्पाइसेस बोर्ड को नई पहल/कार्यक्रमों के साथ आगे आना है ।

अध्यक्ष महोदय ने स्पष्टीकरण दिया कि इलायची के अलावा और किसी मसाले का उत्पादन विकास कार्यक्रम चलाने बोर्ड का अधिदेश नहीं है । अन्य मसालों केलिए, तकनोलजी उन्नयन, प्रयोगशालाओं की स्थापना आदि जैसे फसलोत्तर विकास क्षेत्र में ही बोर्ड का अधिदेश है । तदनुसार, बोर्ड, मिर्च एवं अन्य मसालों के विश्लेषण केलिए परिष्कृत उपकरणों से गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला तथा स्पाइसेस पार्क की स्थापना केलिए ज्यादा महत्व देता है । बोर्ड का संयुक्त निदेशक(विकास) के स्तर का एक कार्यालय गुण्टूर में पहले से ही प्रवृत्त हैं । एक सहायक निदेशक(विपणन) की भी उधर नियुक्ति की गई है और प्रयोगशाला के प्रवर्तन से इस कार्यालय को और मज़बूत बनाया जाएगा और सूचित किया कि प्रयोगशाला इस वर्ष जुलाई/अगस्त तक अपना काम शुरू करेगी ।

मद सं. 3 : 01.04.2008 से 31003.2009 तक की अवधि केलिए बोर्ड के अन्तिम लेखे का अनुमोदन

यह सूचित किया कि महालेखाकार, केरल द्वारा लेखा परीक्षा कार्य शुरू किया गया और लेखा-परीक्षा के बाद, लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के साथ अंतिम लेखे बोर्ड के सामने प्रस्तुत किए जाएंगे । श्री वी.डी.आलम ने आय एवं व्यय विवरण के 'अनुदान/इमदाद' शीर्षक के अधीन उल्लिखित रकम पर स्पष्टीकरण माँगा और उन मुद्दों पर उनको स्पष्टीकरण दिया गया ।

वर्ष.2008-09 केलिए बोर्ड के अन्तिम लेखे का मसौदा लेखा परीक्षा केलिए नियंत्रक एवं महालेखाकार द्वारा अनुमोदित है ।

मद सं. 4 मसाला पार्कों पर स्टैटस नोट

निदेशक(विपणन) ने योजना अवधि के दौरान स्थापित करने का प्रस्तावित छः मसाला पार्कों की वर्तमान स्थिति संक्षेप में बताई ।

गुण्टूरः

बोर्ड को पिछले हफ्ते ज़मीन का जायदाद दिया गया, भू सर्वेक्षण कराया गया और ज़मीन का नक्शा प्राप्त हुआ । नक्शे की पावती पर, निर्यातकों के लिए सामान्य अवसंरचना सुविधाओं के निर्माण केलिए ज़मीन चिह्नित की जा सकती है । एक परामार्शदाता को चुन लिया गया और उन्होंने पार्क केलिए अपेक्षित अवसंरचना के स्वरूप, जैसे कि मिर्च सफाई प्रणाली, पेषण और संदलन प्रणाली के बारे में निर्णय लेने केलिए उद्योग से जुडे लोगों के साथ बातचीत की । निर्जलीकरण और शुष्कन की सुविधाएँ भी बाद में प्रदान की जाएंगी । सुखाने केलिए यान्त्रिक ड्रायरों को तरजीह दी जाएगी, चूँकि सौर-शुष्कन की सुविधा सीपित करने केलिए पार्क में पर्याप्त जगह नहीं है ।

शिवगंगा

भारतीय प्रबन्धन संस्थान(आई आई एम), बैंगलूर की मसौदा रिपोर्ट तैयार है । अगले हफ्ते तक वे रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे । उसके तुरन्त बाद, यह परियोजना कार्यान्वयन हेतु तैयार होगी । एक दक्षिण अफ्रीकी कंपनी ने मसालों के प्रसंस्करण केलिए शिवगंगा में एक सुसज्जित फैक्टरी स्थापित करने में रुचि दर्शाई है ।

छिन्दवाडा

जहाँ तक छिन्दवाडा का मामला है, उसे चालू किया गया है और यह सफलतापूर्वक काम कर रहा है । कुछ अतिरिक्त उपकरण जोड दिए जा रहे हैं, ताकि वहाँ स्थानीय रूप से बढनेवाले प्याज, साग-सब्जियाँ, फल तथा पर्णीय मद जैसी अन्य मदों के प्रसंस्करण केलिए निर्जलीकरण यूनिट को साल भर चालू किया जा सके । यह मशीनरी जल्दी ही तैयार हो जाएगी और दो हफ्तों के अन्तर्गत ट्रायल रन चलाया जाएगा । दूसरी मुख्य बात यह है कि एस टी सी एल ने भी भाप विसंक्रमण कार्य और पार्क में उपलब्ध पेषण प्रणाली का प्रयोग शुरू किया है ।

पुट्टटडी

इ-नीलाम प्रणाली की स्थापना सहित लगभग सभी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और यह नवम्बर तक पूरा हो जाएगा ।

श्री के एस आर जे राजकुमार ने दूर से आनेवाले लोगों केलिए आवास, भोजन आदि सुविधाएँ स्थापित करने का अनुरोध किया, चूँकि पुट्टटडी में ऐसी काई सुविधाएँ नहीं हैं ।

अध्यक्ष महोदय ने सूचित किया कि रेस्तराँ की न्यूनतम सुविधाएँ पुट्टडी में उपलब्ध की जाएंगी ।

जोधपुर

60 एकड जमीन का आबंटन हो गया है और जमीन का जायदाद लेने का कार्य शीघ्र चल रहा है । उसके बाद, सर्वेक्षण कार्य चलाने केलिए एक एजेन्सी को सौंपा जाएगा । साथ ही, मसाला पार्क स्थापित करने केलिए रिपोर्ट भी तैयार हो जाएगी ।

गुजरात

दो ज़मीन - एक ऊँझा जिले में और दूसरी अहमदाबाद जिले में ढूँढ निकाली गई हैं । जिलाधीश ने सूचित किया है कि ऊँझा में जमीन का मूल्य प्रति वर्ग मीटर 500/-रु. है, जबकि अहमदाबाद में यह मात्र 50/-रु. प्रति वर्ग मीटर ही होगा । प्रति वर्ग मीटर 500/-रु. के हिसाब से ऊँझा में जमीन की कुल लागत करीब छः-सात करोड रु. की होगी, अहमदाबाद में ज़मीन लेना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है । इसलिए, आबंटन आदेश यथाशीघ्र जारी करने केलिए जिलाधीश, अहमदाबाद को राज़ी किया गया और दो हफ्ते के अन्तर्गत जमीन के मामले का निपटारा होने की उम्मीद है ।

श्री विश्वनाथ ने कर्नाटक में मसाला पार्क की स्थापना में हुई प्रगति के बारे में पूछा । उन्होंने बताया कि यह मालूम हो गया है कि इसकेलिए कर्नाटक सरकार द्वारा करीब 100 एकड जमीन का आबंटन किया जा चुका है । निदेशक (विपणन) ने स्पष्ट किया कि वह आदेश मसाला पार्क स्थापित करने हेतु नहीं, बल्कि उस क्षेत्र में उद्योग के विकास केलिए है ।

बोर्ड ने नोट/अनुमोदन किया ।

मद सं.5 गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला, स्पाइसेस बोर्ड द्वारा विश्लेषित परेषण नमूनों की स्थिति

नोट की गई ।

मद सं.6 अधिक नाशकजीवनाशी व ओक्राटोक्सिन ए केलिए विश्लेषणात्मक सेवा

नोट की गई।

मद सं.7 मुम्बई तथा गुण्टूर की क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की स्थिति

नोट की गई ।

मद सं.8 मसाला निर्यात 2008-09 की पुनरीक्षा और अप्रैल 2008 की तुलना में अप्रैल 2009 के दौरान मसालों के निर्यात निष्पादन की पुनरीक्षा

नोट की गई ।

मद सं.9 2007-08 की तुलना में 2008-09 के दौरान भारत में मसालों के आयात और अप्रैल 2008 की तुलना में अप्रैल 2009 के दौरान मसालों के अनुमानित आयात की पुनरीक्षा

नोट की गई ।

मद सं.10 सिरिया और पडोसी विपणियों में इलायची का विपणि संवर्धन

निदेशक(विपणन) ने इस प्रस्ताव के बारे में विस्तार से बताया । बोर्ड, भारत सरकार की एम ए आई योजना के अधीन की सहायता से इलायची केलिए सिरिया में एक वेयरहाउसिंग सुविधा स्थापित करना चाहता है । खर्च का 75% सरकार से प्राप्त होगा और बाकी खर्च सी डी एफ से किया जाएगा । उन्होंने यह भी सूचित किया कि 29.6.2009 को आयोजित बैठक ने इस सुझाव का स्वागत किया है और बाकी राशि का खर्च सी डी एफ से करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया है । सदस्यों ने प्रस्ताव का स्वागत किया ।

उन्होंने यह भी सूचित किया कि सिरिया के भारतीय राजदूत 18 और 19 जुलाई 2009 को एक क्रेता-विक्रेता बैठक की व्यवस्था कर रहा है । राजदूत सभी भारतीय उद्यमियों को अपने सिरियाई प्रतिस्थानियों के साथ बातचीत करने केलिए आमन्त्रित करेगा । इलायची उद्योग के इच्छुक प्रतिनिधिगण भी इस बैठक में भाग ले सकते हैं । ऐसे मामले में, बोर्ड इस बैठक केलिए एक अधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर विचार कर सकता है ।

श्री. वी. डी आलम ने ऐसा एक अच्छा प्रस्ताव रखने की तारीफ की और आगे बताया कि एम ए आई योजना के अधीन पहले साल में 75%, दूसरे साल में 50% और तीसरे साल में 33% की वित्तीय सहायता दी जाती है और प्रगति के आधार पर, एम ए आई याजना के अधीन 25% वित्तीय समर्थन के साथ और तीन सालों की अवधि केलिए यह सहायता बढाई जा सकती है । उन्होंने सरकार को प्रस्ताव पेश करने का सुझाव किया ।

अनुमोदित ।

मद सं.11: प्रादेशिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं की स्थापना पर स्टैटस नोट

निदेशक(विपणन) ने गुण्टूर, नई ल्ली, चेन्नई, तथा कोलकत्ता में स्थापित प्रादेशिक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशालाओं की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा दिया । उन्होंने सूचना दी कि ए एस आई डी ई योजना के अधीन तूतुकुडि तथा कंडला में प्रयोगशालाएँ स्थापित किए जाने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं । श्री. वी.डी आलम, निदेशक(वित्त), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सूचित किया कि तूतुकुडि केलिए जो प्रस्ताव है उसे ए एस आई डी ई के अधीन विचारार्थ स्वीकार किया गया है और काण्डला केलिए जो प्रस्ताव है उसमें कुछ और जानकारी की आवश्यकता है और जानकारी के प्राप्त होने पर उसको भी ए एस आई डी ई की अधिकार प्रदत्त समिति के विचारार्थ प्रस्तुत किया जाएगा ।

श्री. कतिर आनन्द, उपाध्यक्ष ने चेन्नई की प्रादेशिक गुणवत्ता प्रयोगशाला के शिलान्यास समारोह को प्रमुख मंत्रियों को आमंत्रित करते हुए राज्यव्यापक मनाने का सुझाव दिया ताकि बोर्ड के क्रियाकलापों को अधिकाधिक प्रचार मिल सके।

अध्यक्ष महोदय ने शिलान्यास रस्म को बडे समारोह के रूप में मनाने के बजाय चेन्नई की प्रयोगशाला का उद्घाटन धूमधाम से आयोजित किए जाने का आश्वासन दिया ताकि क्षेत्र में बोर्ड द्वारा लिए गए कार्यों से लोगों को अवगत किया जा सके ।

नोट किया गया ।

मद सं.12: - राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एन एच एम) की सहायता से इडुक्की जिले में कालीमिर्च विकास पर परियोजना

श्री. सांबशिव राव, माननीय सांसद ने बोर्ड से मिर्च व हल्दी केलिए भी समान उत्पादन विकास पहलों/कार्यक्रमों को लिए जाने का अनुरोध किया । अध्यक्ष महोदय ने व्यक्त किया कि बोर्ड को इलायची के सिवा किसी अन्य मसालों के उत्पादन विकास कार्यक्रमों को लेने का अधिदेश नहीं है । जब माननीय सदस्य ने बोर्ड से मिर्च व हल्दी केलिए समान उत्पादन विकास कार्यक्रमों को लिए जाने केलिए मंत्रालय से अनुरोध करते हुए एक संकल्प पारित करने की अपेक्षा की तो अध्यक्ष महोदय ने माननीय सदस्य को सुझाया कि वे स्पाइसेस बोर्ड को एक प्रति भेजते हुए सरकार को एक प्रस्ताव भेजें ताकिअगली बोर्ड बैठक में इस मामले को विचारार्थ लिया जा सके ।

नोट किया गया ।

मद सं.13: वर्ष 2009-10 केलिए मसालों के गुणवत्ता सुधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री. रवि बाबू शीलम, आन्ध्र प्रदेश के सदस्य ने सूचित किया कि बोर्ड के अधिकारियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से संबन्धित उन्हें कोई सूचना नहीं दी जाती है । उन्होंने अपने क्षेत्र में गत वर्ष के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विवरण जैसे उपस्थित कृषकों की संख्या, कहाँ से कृषकों को आमंत्रित किया गया और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तारीख का अनुरोध किया ।

अध्यक्ष महोदय ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में स्थानीय बोर्ड सदस्यों व उत्पादकों को बहुत पहले ही सूचना देने के आवश्यक निर्देश संबन्धित कार्यालयों को ज़ारी किए जाने का आश्वासन दिया ।

नोट किया गया ।

सामान्य :

1. उपाध्यक्ष श्री कतिर आनन्द ने कहा कि इलायची के संबन्ध में सदस्य हरेक जानकारी बोर्ड के साथ बाँटते हुए स्पाइसेस बोर्ड के साथ सक्रियता से विनिमय करते हैं । लेकिन मिर्च व हल्दी के मामले में बोर्ड को समूची जानकारी प्रदान करने केलिए तमिलनाडु में नियुक्त बोर्ड के अधिकारियों के बिना तमिलनाडु के निर्यातकों केलिए एक फोरम या एक सशक्त संगठन नहीं है । इसलिए उन्होंने स्पाइसेस एक्सपोर्ट्स फोरम के समान तमिलनाडु में एक संगठन तैयार करने का सुझाव दिया ।

2. श्री. के एस आर जे राजकुमार ने तडियनकुडिशी में अनुसन्धान केन्द्र के बन्द कर दिए जाने के मामले की ओर ध्यान आकर्षित किया । उन्होंने कहा कि चूँकि क्षेत्र का इलायची उत्पादन पहले ही घटता जा रहा है कार्यालय की बंदी तमिलनाडु के लोवर पळनी पहाडी क्षेत्रों में इलायची के अनुसंधान व विकास केलिए कोई भी क्रियाकलाप न चलाने में परिणत होगी ।

निदेशक(अनु.) ने व्यक्त किया कि अनुसंधान केन्द्र जंगली भूमि पर पट्टे पर कार्य कर रहा था । स्पाइसेस बोर्ड के प्रयासों के बावजूद तलिमनाडु सरकार द्वारा पट्टे का नवीकरण नहीं किया गया जिससे कि बोर्ड को काफी परेशानियां पैदा हुईं, यहाँ तक कि आवश्यक अनुरक्षण कार्य भी नहीं कर सकें ।

अध्यक्ष महोदय ने सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपने पदों का सदुपयोग करते हुए तडियनकुडिशी में अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए जाने केलिए भूमि आबंटित करने केलिए तमिलनाडु सरकार पर ज़ोर दें । अध्यक्ष महोदय ने लोवर पळनी पहाडियों के विकास केलिए निश्चित अनुसंधान कार्यों में कोई रुकावट न आने तथा आई सी आर आई, मैलाडुम्पारा द्वारा कार्य देखे जाने का अश्वासन दिया ।

3. श्री. ज़िया-उद्-दीन अहमद ने बोडिनायकन्नूर कार्यालय को बेहतर कार्य केलिए और मज़बूत बनाने की गुज़ारिश की क्योंकि वर्तमान स्टाफ संख्या आवश्यकताओं की पूर्ति केलिए अपर्याप्त है ।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि बोर्ड कर्मचारियों की भारी कमी का सामना कर रहा है क्योंकि भारत सरकार बोर्ड को क्षेत्र कार्यालय स्तर पर नई भर्तियों के लिए अनुमति नही दे रही है ।

4. श्री. कतिर आनन्द ने वेबसाइट पर किसानों के लिए एक डाटा बेस तैयार करने की सलाह दी जिससेकि इससे जनता व अन्य पणधारी लाभान्वित हो जाएँगे । उन्होंने समय-समय पर डाटा बेस को अद्यतन बनाने का सुझाव भी दिया ।

5. कर्नाटक के श्री. विश्वनाथ ने कर्नाटक के किसानों केलिए भी अध्ययन यात्रा कार्यों की सुविधा बढाने का आग्रह किया । प्रतियोगी/आयातक देशों में उत्पादकों की प्रतिनिधियों को भेजने की कुछ मांगे भी हुई ।

यह स्पष्ट किया गया कि बोर्ड द्वारा आयोजित अध्ययन यात्रा कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर कर्नाटक के किसानों को पहले ही प्राप्त हो चुका है । अध्यक्ष महोदय ने सूचित किया कि आज की स्थिति में उत्पादक प्रतिनिधियों के दल को भेजने में थोडी-बहुत व्यावहारिक अडचनें हैं ।

बैठक सायं 4.30 बजे समाप्त हुई ।

.....